P-277

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAHL-503

आधुनिक एवं समकालीन कविता (भाग एक)

एम.ए. हिन्दी (MAHL)

1st Semester Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. आधुनिकता की पृष्ठभूमि का विस्तृत वर्णन कीजिए।

2. 'छायावाद राष्ट्रीय जागरण का काव्य है।' इस कथन की व्याख्या कीजिए।

3. सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीयता का मिला-जुला स्वर प्रसाद के काव्य की उल्लेखनीय विशेषता है, इस कथन को विश्लेषित कीजिए।

4. निराला के व्यक्तित्व का विस्तृत परिचय देते हुए उनके कृतित्व का उदाहरण सहित विवेचन कीजिए।

5. 'महादेवी वर्मा' को 'आधुनिक मीरा' कहा जाता है, स्त्री विमर्श के संदर्भ में इसका मूल्यांकन कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. आधुनिकता संबंधी अवधारणा के आधार विचार मनोविश्लेषणवाद पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

2. भारतेंदु हरिश्चन्द्र के कृतित्व का संक्षिप्त परिचय लिखिए।

3. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में निहित के तत्वों की राष्ट्रीयता संक्षेप में लिखिए।

4. निराला की किसी एक कविता की व्याख्या कीजिए।

5. प्रसाद के काव्य में आनन्दवाद और समरसता की अभिव्यक्ति हुई है संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

6. पन्त के काव्य में लोकहित चिंतन पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

7. निराला के काव्य में कल्पना वैभव को संक्षेप में लिखिए।

8. महादेवी वर्मा के काव्य में गीति तत्व की प्रधानता है इस कथन का संक्षेप में तर्क सहित प्रमाणित कीजिए।